

अध्याय - 4 | महासागरों एवं महाद्वीपों का वितरण

QUIZ
PART-06

1. प्लेट संचरण के परिणामस्वरूप कितने प्रकार की प्लेट सीमाएँ बनती हैं?

- A. दो
B. तीन
C. चार
D. पाँच (B)

व्याख्या: प्लेट संचरण के फलस्वरूप तीन प्रकार की प्लेट सीमाएँ बनती हैं – अपसारी, अभिसरण और रूपांतर सीमाएँ।

2. अपसारी सीमा पर क्या होता है?

- A. प्लेटें एक-दूसरे की ओर बढ़ती हैं
B. प्लेटें एक-दूसरे से दूर जाती हैं
C. प्लेटें स्थिर रहती हैं
D. प्लेटें एक-दूसरे के नीचे धँसती हैं (B)

व्याख्या: अपसारी सीमा पर दो प्लेटें विपरीत दिशाओं में हटती हैं जिससे नई पपाटी का निर्माण होता है, जैसे मध्य अटलांटिक कटक।

3. अभिसरण सीमा पर क्या होता है?

- A. नई पर्पटी बनती है
B. पपाटी नष्ट होती है
C. पपाटी स्थिर रहती है
D. कोई परिवर्तन नहीं होता (B)

व्याख्या: अभिसरण सीमा पर एक प्लेट दूसरी प्लेट के नीचे धँस जाती है, जिससे पपाटी का विनाश होता है।

4. रूपांतर सीमा की मुख्य विशेषता क्या है?

- A. नई पर्पटी बनना
B. पर्पटी का विनाश
C. क्षैतिज दिशा में सरकना
D. पर्वत निर्माण (C)

व्याख्या: रूपांतर सीमा पर प्लेटें क्षैतिज दिशा में एक-दूसरे के समानांतर सरकती हैं और न तो नई पपाटी बनती है, न नष्ट होती है।

5. प्लेट संचलन की दर सबसे कम कहाँ पाई जाती है?

- A. मध्य अटलांटिक कटक
B. हिंद महासागर
C. आकप कटक
D. प्रशांत महासागर (C)

व्याख्या: आकप कटक (Arctic Ridge) में प्लेट प्रवाह दर सबसे कम पाई जाती है।

6. प्लेट संचलन की दर सबसे अधिक कहाँ पाई जाती है?

- A. अटलांटिक महासागर
B. हिंद महासागर
C. प्रशांत महासागर का पूर्वी भाग
D. आर्कटिक महासागर (C)

व्याख्या: प्लेट प्रवाह दर प्रशांत महासागर के पूर्वी भाग में सबसे अधिक होती है।

7. प्लेट को संचालित करने वाले बलों की अवधारणा सबसे पहले किसने दी थी?

- A. वेगनर
B. हेस
C. होम्स
D. पारकर (C)

व्याख्या: 1930 में आर्थर होम्स ने बताया कि पृथ्वी के अंदर संवहन प्रवाह प्लेटों की गति के लिए उत्तरदायी हैं।

8. पृथ्वी के भीतर ऊष्मा उत्पन्न होने के प्रमुख स्रोत कौन से हैं?

- A. सूर्य का विकिरण
B. रेतियोधर्मी तत्वों का क्षय और अवशिष्ट ताप
C. समुद्री लहरें
D. वायुमंडलीय दाब (B)

व्याख्या: पृथ्वी के भीतर ऊष्मा का स्रोत रेतियोधर्मी तत्वों का क्षय और अवशिष्ट ताप है, जिससे संवहन प्रवाह उत्पन्न होते हैं।

9. संवहन प्रवाह किस प्रकार की गति को दर्शाते हैं?

- A. वृत्ताकार
B. सीधी
C. लहरदार
D. ऊर्ध्वाधर (A)

व्याख्या: संवहन प्रवाह वृत्ताकार गति करते हैं — गर्म पदार्थ ऊपर उठते हैं, फैलते हैं, ठंडे होकर नीचे जाते हैं और यह चक्र बार-बार दोहराया जाता है।

10. अपसारी गति से क्या परिणाम प्राप्त होता है?

- A. पर्वत श्रृंखला का निर्माण
B. नई पपाटी का निर्माण
C. प्लेटों का विनाश
D. समुद्र का सिकुड़ना (B)

व्याख्या: अपसारी गति से दो प्लेटें दूर जाती हैं जिससे नई महासागरीय पपाटी बनती है, उदाहरण – मध्य अटलांटिक कटक।